भारत की पर्यावरण स्थिति रिपोर्ट 2023

प्रिलिम्स के लिये:

CSE, DTE, वायु प्रदूषण, प्लास्टिक अपशिष्ट, नगरपालिका ठोस अपशिष्ट, लैंडफिल

मेन्स के लिये:

भारत की पर्यावरण स्थिति रिपोर्ट 2023

चर्चा में क्यों?

विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र (Centre for Science and Environment- CSE) **तथा डाउन टू अर्थ (DTE)** पत्रिका ने हाल ही में भारत की पर्यावरण स्थिति रिपोर्ट 2023 जारी की, जिसमें जलवायु परिवर्तन, कृषि एवं उद्योग के साथ-साथ जल, प्लास्टिक, वन एवं जैवविविधता सहित विभिन्न विषयों के आकलन की एक विस्तृत शृंखला शामिल है।

- रिपोर्ट का प्रकाशन वार्षिक तौर पर किया जाता है, जो **जलवायु परिवर्तन**, प्रवासन, स्वास्थ्य एवं खाद्य प्रणालियों पर केंद्रित है। इसमें जैवविविधता, वन एवं वन्य जीवन, ऊर्जा, उद्योग, आवास, प्रदूषण, अपशिष्ट, कृषि और ग्रामीण विकास भी शामिल हैं।
- CSE नई दिल्ली में स्थित एक गैर-लाभकारी सार्वजनिक हित अनुसंधान संगठन (Advocacy) है।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदु:

- **अतिक्रमण:**
  - देश में 30,000 से अधिक जल निकायों पर अतिक्रमण किया गया है और भारत प्रतिदिन **150,000 टन** नगरपालिका ठोस अपशिष्ट (MSW) **उत्पन्न कर रहा है,** जिनमें से आधे से अधिक या तो **लैंडफिल** में फेंक दिया जाता है या अनुपयुक्त पड़ा रहता है।
- **वायु प्रदूषण:**
  - भारत में **वायु प्रदूषण** के कारण **जीवन की औसत अवधि 4 वर्ष और 11 माह कम** हो जाती है।
  - वायु प्रदूषण से संबंधित स्वास्थ्य मुद्दों के कारण **शहरी क्षेत्र की तुलना में ग्रामीण भारत में जीवन की औसत अवधि के अधिक वर्ष कम** हो रहे हैं।
  - ग्रामीण भारत को 35% अधिक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की आवश्यकता है।
- **पर्यावरणीय अपराध:**
  - पर्यावरणीय अपराध बेरोकटोक जारी हैं और **लंबित मामलों को निपटाने के लिये न्यायालयों को प्रतिदिन 245 मामलों पर निर्णय** देने की आवश्यकता है।
- **चरम मौसमी घटनाएँ:**
  - जनवरी और अक्तूबर 2022 के बीच भारत ने 271 दिनों में **चरम मौसमी घटनाओं** को देखा।
  - इन चरम मौसमी घटनाओं ने **2,900 से अधिक लोगों की जान ले ली।**
- **सतत् विकास लक्ष्य:**
  - पिछले पाँच वर्षों में संयुक्त राष्ट्र-अनिवार्य **सतत् विकास लक्ष्यों (Sustainable Development Goals- SDG)** को प्राप्त करने में भारत की वर्ष 2022 की वैश्विक रैंकिंग में नौ स्थानों की गिरावट दर्ज की गई है, जो अब 121वें स्थान पर है।
  - भारत चार दक्षिण एशियाई देशों बांग्लादेश, भूटान, श्रीलंका और नेपाल से नीचे है।
    - भारत सतत् विकास लक्ष्य- 2 (भुखमरी से मुक्ति), सतत् विकास लक्ष्य- 3 (लोगों हेतु स्वास्थ्य और आरोग्यता), सतत् विकास

लक्ष्य- 5 (लैंगिक समानता) एवं सतत् विकास लक्ष्य- 11 (संवहनीय शहरी तथा सामुदायिक विकास) सहित 17 सतत् विकास लक्ष्य में से 11 में चुनौतियों का सामना कर रहा है।

- **प्लास्टिक अपशिष्ट:**
    - भले ही प्लास्टिक अपशिष्ट की समस्या का पैमाना अभी भी बहुत बड़ा है, फिर भी **कई नीतियाँ और तात्कालिकता सही दिशा में हैं।**
    - शहर प्लास्टिक के उपयोग को कम कर रहे हैं, स्रोत पर अपशिष्ट को अलग करना और आय का साधन बनाने हेतु अपशिष्ट का पुन: उपयोग एवं पुनर्चक्रण करना सीख रहे हैं।
- **कृषि:**
    - कृषि क्षेत्र में पारंपरिक और पुनरयोजी कृषि पद्धतियों की प्रभावशीलता के प्रमाण देखे जा सकते हैं।
    - वनों और जैवविविधता के मुद्दे देखें तो वनों को हो रहा नुकसान एक सर्वविदित सत्य है, लेकिन साथ ही अधिक-से-अधिक समुदाय वनों पर अधिकार की मांग कर रहे हैं और इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि उन्हें ये अधिकार दिये जा रहे हैं।

सिफारिशें:

- हमें एक सर्वसहमति-आधारित बुनियादी कार्यक्रम की आवश्यकता है जो सभी देशों को दो सबसे महत्त्वपूर्ण वैश्विक समस्याओं से निपटने हेतु एकजुट करता हो, वे समस्याएँ हैं- **वर्तमान में हम जिस अस्तित्त्व संबंधी संकट का सामना कर रहे हैं उससे कैसे बचा जाए** और **एक न्यायसंगत तथा समावेशी विश्व व्यवस्था कैसे बनाई जाए।**
- महामारी संधि इस दिशा में एक स्वागत योग्य कदम हो सकता है।

स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/state-of-india-s-environment-report-2023